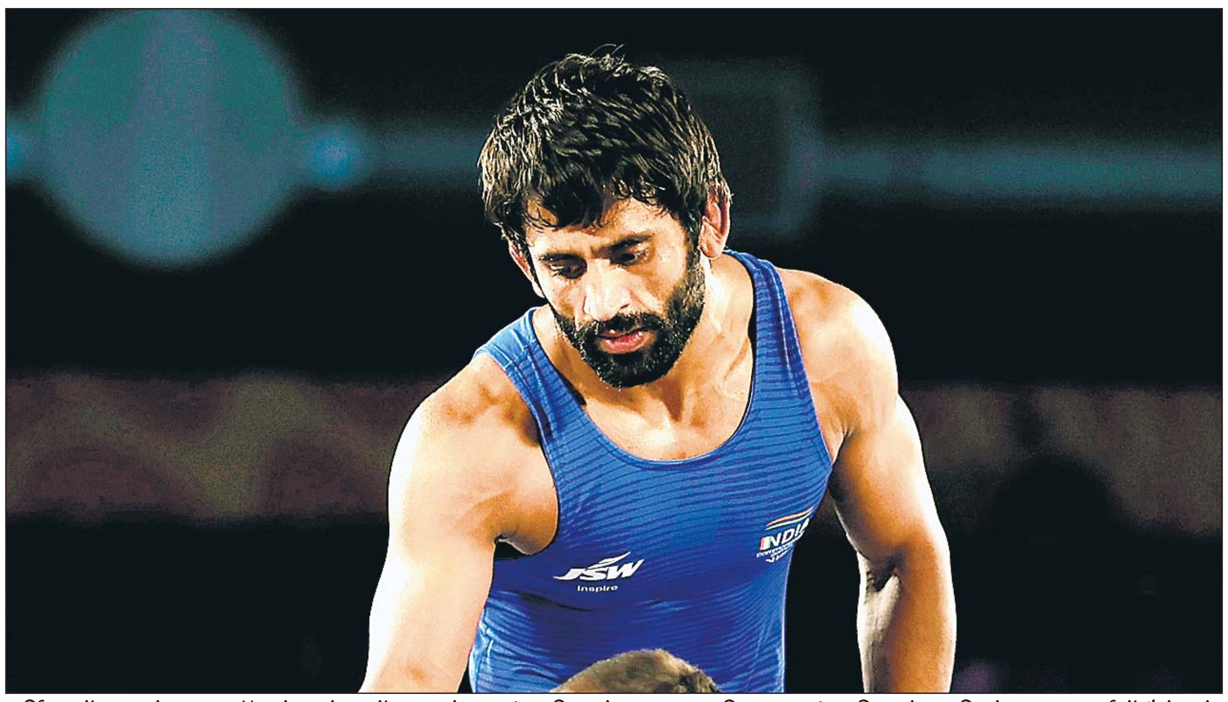

बर्मिंघम में चल रहे 2002 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के बजरंग पूनिया ने कमाल कर दिया। बजरंग पूनिया ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में कैनेडा के पहलवान को हराकर गोल्ड मैडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स में यह उनका लगातार दूसरा गोल्ड मैडल है। उन्होंने फ्रीस्टाइल 65 कि.ग्रा. वर्ग में कैनेडा के लचलान मैकनिल को 9-2 से हराया। भारत का बर्मिंघम में कुश्ती में यह पहला और कुल छठा गोल्ड मैडल है। पहले हाफ में बजरंग ने चार अंक लिए। फिर दूसरे हाफ में मैकलीन ने दो प्वाइंट लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन बजरंग ने ऐसा नहीं होने दिया। बजरंग ने इससे पहले 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। वहीं 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मैडल अपने नाम किया था।

अमेरिकी सिनेटर नैंसी पेलोसी के खिलाफ प्रतिबंध लगायेगा चीन

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, ताइवान की यात्रा कर पेलोसी ने हमारी ''वन चाइना'' पॉलिसी का उल्लंघन किया है

बीजिंग, 5 अगस्त (वार्ता)। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा है कि चीन अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी और उसके नजदीकी रिश्तेदारों पर ताइवान की उकसाने वाली यात्रा के संबंध में प्रतिबंध लगाएगा।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमरीकी अधिकारी पेलोसी ताइवान में शांति और स्थिरता को खतरे में डालकर एक चीन के सिद्धांतों पर गहरी चोट पहुंचाई है। बयान में कहा गया है कि चीन के प्रासंगिक कानून के आधार पर चीन की तरफ से पेलोसी और उनकी नजदीकी रिश्तेदारों पर इस उकसाने वाली कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाने की निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि चीन ने अमेरिका के साथ जलवायु परिवर्तन वार्ता, अवैध अप्रवासियों के प्रत्यावर्तन पर सहयोग, आपराधिक और कानूनी सहायता तथा अन्तर्राष्ट्रीय अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई को रोकने का भी फैसला किया है। पेलोसी ने मंगलवार को चीन की चेतावनियों के बावजूद एशिया दौरे पर ताइपे का दौरा किया। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और उसके साथ किसी भी प्रत्यक्ष आधिकारिक विदेशी संपर्क का विरोध करता है। पेलोसी 25 वर्षों में ताइवान की यात्रा करने वाली सर्वोच्च रैंकिंग वाली अमेरिकी अधिकारी हैं।

- **चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, चीन ने अमेरिका के साथ जलवायु परिवर्तन वार्ता, अवैध अप्रवासियों के प्रत्यावर्तन पर सहयोग, आपराधिक और कानूनी सहायता तथा अंतरराष्ट्रीय अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई को रोकने का भी फैसला किया है।**

ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने अमेरिका के तीसरी सबसे बड़ी नेता व प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पिलोसी की यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और इसके जवाब में चीन द्वारा शुरु किए गए सैन्य अभ्यास की कड़ी आलोचना की।

वू बी.बी.सी. से शुक्रवार को बात करते हुए चीन की ओर से की गयी कार्रवाई को बहुत उकसाने वाला तथा एशिया में शांति और स्थिरता लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ताइवान चीन के सपनों के विस्तार का आखिरी टुकड़ा नहीं है। उनका यह बयान चीन के मिसाइल प्रक्षेपण किये जाने के बाद आया है।

बैंकिंग ब्याज दरें प्री कोविड स्तर से भी महंगी हो गईं

रिजर्व बैंक ने नीतिगत ब्याज दरों को आधा फीसदी बढ़ाने का फैसला किया

मुंबई, 5 अगस्त (वार्ता)। बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) के नीतिगत दरों में आज आधी फीसदी की बढ़ोतरी करने के साथ ही यह अब करोना महामारी के पहले के स्तर को पार कर गयी है। रिजर्व बैंक के आज के इस निर्णय से अब घर, कार और अन्य प्रकार के ऋण महंगे हो जाएंगे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुये कहा कि देश में वैश्विक कारकों से महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। इस वर्ष जून में लगातार छठे महीने में खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के लक्ष्य छह प्रतिशत से ऊपर बनी रही है। विकास को गति देने तथा महंगाई को काबू में करने के उद्देश्य से नीतिगत दरों में आधी फीसद की बढ़ोतरी की गयी है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है और महंगाई को मध्यावधि में छह प्रतिशत के लक्षित दायरे में लाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी के बाद रेपो दर 4.90 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.40 प्रतिशत पर, सटैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी दर (एस.डी.एफ.) 4.65 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.15 प्रतिशत, बैंक दर 5.15 प्रतिशत से बढ़कर 5.65 प्रतिशत पर तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एम.एस.एफ.) 5.65 प्रतिशत पर पहुंच गयी है।

उल्लेखनीय है कि करोना महामारी के शुरू होने से पहले रेपो दर 5.15 प्रतिशत पर थी। माहामारी के दौरान लॉकडॉउन से मांग प्रभावित होने के कारण रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में भारी कमी की थी और यह रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गयी थी। रिजर्व बैंक ने तीन बार बढ़ोतरी कर इसको करोना काल के पहले के स्तर के पार पहुंचा दिया है। हालांकि रिजर्व बैंक इसका उपयोग महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कर रहा है।

- **रिजर्व बैंक ने कहा कि, कई ग्लोबल कारकों की वजह से लगातार छः महीने से महंगाई में अनियंत्रित बढ़ोतरी हो रही है, इसे रोकने के लिए यही सबसे सटीक उपाय है।**
- **इस बढ़ोतरी के बाद बैंकों के लिए रैपो रेट 4.90 प्रतिशत से बढ़कर 5.40 प्रतिशत हो जायेगी। करोना महामारी आने से पहले रैपो रेट 5.15 प्रतिशत ही थी। इससे तय है कि, सभी प्रकार के लोन अब काफी महंगे हो जायेंगे।**

उपराष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एन.डी.ए. के प्रत्याशी जगदीप धनखड़ के बीच और पूर्व केन्द्रीय मंत्री मार्गरेट अल्वा, जो विपक्ष की प्रत्याशी है, के बीच सीधा मुकाबला है।

संसद के दोनों सदनों के सदस्य इसमें मतदान करेंगे जिसमें राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी शामिल है। धनखड़ की जीत तय है क्योंकि लोकसभा से एन.डी.ए. का प्रचंड बहुमत है। धनखड़, एम. वेंकैया नायडू का स्थान लेंगे। पूर्व कन्द्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष नायडू का कार्यकाल 11 अगस्त, रक्षाबंधन को खत्म हो रहा है।

धनखड़ राजस्थान के झुंझुनूं के रहने वाले हैं और अब संसद के दोनों सदनों के मुखिया राजस्थानी होंगे क्योंकि लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला भी राजस्थानी हैं वे कोटा के हैं। धनखड़ केन्द्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। बाद में भाजपा ने उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया था।

सिख और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे स्थानीय एयर पोर्ट और भारतीय उड़ानों में यात्रा करते समय अधिकतम 6 इंच के ब्लेड वाली कृपाण अपने साथ ले जा सकते हैं।

जब न्यायमूर्ति अब्दुल नज़ीर तथा जे.के. महेश्वरी की बैंच ने याचिकाकर्ता हिन्दू सेना को अपनी याचिका संबंधित उच्च न्यायालय में ले जाने की छूट दे दी तो वादी ने अपनी याचिका वापस ले ली। याचिका में इस बात का विरोध किया था कि कोई व्यक्ति अपने धर्म के आधार पर हवाई अड्डों पर कोई भी सामान ले जा सके, क्योंकि ऐसा किया जाना स्टाफ तथा यात्रियों के लिये संभावित खतरे का कारण बन सकता है।

याचिका में इस साल 4 तथा 12 मार्च के ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्यूरिटी के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें केवल सिख यात्रियों को कृपाण रखने की अनुमति दे दी गई थी तथा इस अनुमति में सिख कर्मचारी भी शामिल कर दिये गये थे।

ब्यूरो ने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया था कि कृपाण का ब्लेड 15.24 सेमी (6 इंच) से बड़ा तथा कृपाण की कुल लम्बाई 22.86 सेमी (9 इंच) से ज्यादा नहीं होनी चाहिये। यह आदेश केवल भारतीय विमानों, जो देशी टर्मिनलों से देश के अंदर ही उड़ान भरेंगे, पर लागू किया गया था।

याचिका में तर्क दिया गया कि ब्यूरो के इस आदेश से हवाई अड्डे, विमान तथा यात्रियों की सुरक्षा में खामी पैदा हो सकती है तथा इस प्रकार, इस आदेश से जनता के जीवन तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूलाधिकार का हनन हो रहा है, जिसकी गारंटी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दी गई है। हिन्दू सेना ने कहा कि वह सनातन धर्म के लिये काम करने वाले एक अलाभकारी संगठन के रूप में रजिस्टर्ड है। हिन्दू सेना का कहना है कि वह हिन्दू समुदाय के उत्थान, गो-संरक्षण तथा धर्मशाला-निर्माण के लिये काम करती है।

कांग्रेस को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अपने विरोध पर कायम रहेगी या यह सिर्फ एक ही दिन का कार्यक्रम है। चाहे जो कुछ भी हो कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन ने मीडिया की इतनी सुर्खियां बटोरी कि कश्मीर में धारा 370 हटने की तीसरी वर्षगांठ के कार्यक्रम भी कांग्रेसियों की बड़ी संख्या के आगे फीके पड़ गए। कांग्रेस के लोगों ने मूसलाधार बारिश वॉटर जैट्स व लाठियों के साथ किए गए भारी पुलिस बंदोबस्त व गिरफ्तारी की आशंकाओं का साहसपूर्वक मुकाबला किया। इससे पार्टी अन्ततः एक विपक्षी पार्टी के रूप में जागृत हो गई।

गर्भपात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनकी बैंच में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला भी शामिल थे, ने कहा, ''इस कानून (एम.टी.पी. एक्ट एण्ड रुल्स) की एक प्रगतिशील व्याख्या होनी चाहिए, इस बात को मद्देनज़र रखते हुए कि मैडिकल के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है।'' जस्टिस ने ''इन्टेन्ट ऑफ पार्लियामैंट'' का जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि, ''... जब किसी महिला या उसके साथी द्वारा गर्भधारण रोकने के लिए इस्तेमाल किए गए साधन या उपकरण असफल होने के परिणामस्वरुप गर्भधारण हो जाए...''

एम.टी.पी. कानून एवं नियम के तहत जिन दो मुद्दों की जांच की जा रही है वो हैं कि, क्या बीस सप्ताह के गर्भ को खत्म करने के नियम में ढील दी जा सकती है, इस बात को देखते हुए कि मैडिकल के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है, तथा, यह भी कि, वर्तमान कानून के तहत गर्भपात में विवाहित व अविवाहित का जो भेद है उसे खत्म किया जाए।

यह मुद्दा तब उठा जब 21 जुलाई को कोर्ट ने एक 25 वर्षीय महिला की प्रार्थना स्वीकार करते हुए उसे 24 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति दी और दिल्ली स्थित एम्स के डायरैक्टर को इस सम्बंध में एक मैडिकल बोर्ड के गठन का निर्देश दिया यह देखने के लिए कि क्या इस तरह के गर्भपात से उक्त महिला की जान को तो कोई खतरा नहीं है। ज्ञातव्य है कि उक्त महिला लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी।

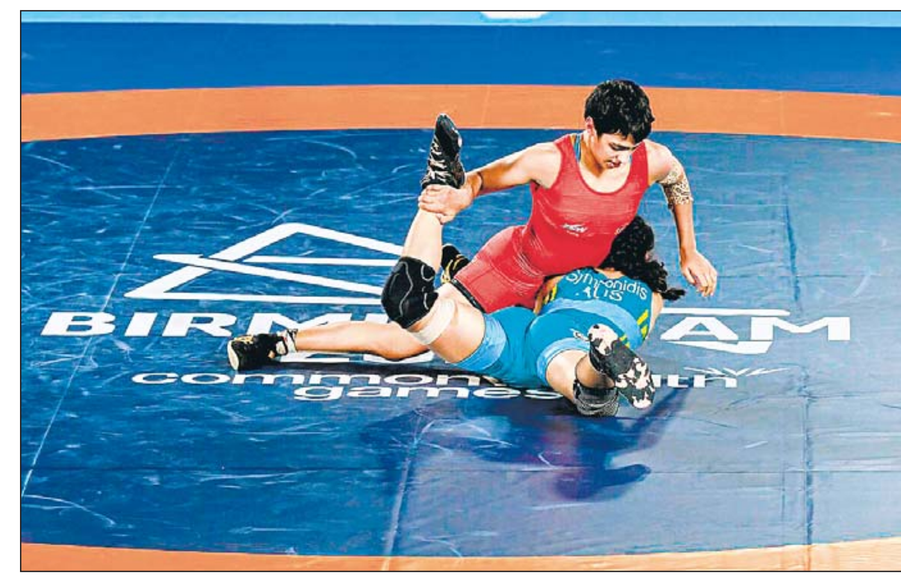

भारत की पहलवान अंशु मलिक ने भारत को कुश्ती में पहला मैडल दिलाया। फ्रीस्टाइल 57 कि.ग्रा. वर्ग में रजत पदक जीतने वाली अंशु मलिक फाइनल में नाईजीरिया की ओडानायो फोलासाडो से 3-7 से हारीं। ओडानायो ने लगातार तीसरी बार स्वर्ण जीता है। वहीं अंशु को पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में कोई पदक मिला है।

'भाजपा एक दिन देश के तिरंगे को भी बदल देना चाहती है'

श्रीनगर, 5 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रिटक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को यह कहकर नया विवाद खड़ा दिया कि आने वाले समय में केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी देश के तिरंगे को बदल देगी और संविधान को खत्म कर देगी। महबूबा मुफ्ती जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने के तीन वर्ष के मौके पर कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन करने के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें रैली नहीं निकालने दी। उन्होंने कहा, मैं देश के नागरिकों से कहना चाहती हूं कि आने वाले दिनों में भाजपा देश के संविधान को खत्म कर देगी।

उन्होंने कहा, वे लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता पर आधारित संविधान को खत्म कर देंगे और इसे एक धार्मिक देश बना देंगे। वे इस तिरंगे को भी बदल देंगे जिसे आप बहुत गौरव के साथ फहराते हैं। अगर भारत आज नहीं जगा तो बहुत कुछ खो जायेगा। कुछ नहीं बचेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे उसी तरह से इस मुल्क के संविधान और तिरंगे को बदलेंगे जिस तरह से जम्मू-कश्मीर का संविधान और झंडा छीना था। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने यह कसम खाई है कि जो उनसे पांच अगस्त 2019 को छीना गया था उसे वापस लेंगे। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमने न केवल अपना झंडा और संविधान वापस लेने का संकल्प लिया है, बल्कि उन्हें कश्मीर मुद्दे को हल करने के लिए मजबूर करने का भी, जिसके लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी है।

महबूबा ने कहा कि पांच अगस्त न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए 'काला दिन' था। इससे पहले दिन में, उन्होंने इस बात का ,खंडन किया कि जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति है। उन्होंने कहा,जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के दुर्भावनापूर्ण इरादों का खुलासा हो गया है, दमन और डर का पैटर्न अब देश के बाकी हिस्सों में भी दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। अपनी 'पालतू एजेंसियों' को हथियार देना और असंतोष को दबाने के लिए कड़े कानूनों का इस्तेमाल करना आदर्श बन गया है।

उन्होंने कहा,आपकी चुप्पी और मिलीभगत ने भारत सरकार को कहर बरपाने के लिए प्रोत्साहित किया। आज वे भारतीय लोकतंत्र का समर्थन करने वाले हर स्तंभ को तोड़कर उसे कुचल रहे हैं।

भाजपा का जम्मू-कश्मीर का तथाकथित एकीकरण जो कभी नहीं हुआ, हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी है। जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। सामान्य स्थिति का मुखौटा उतना ही सच है जितना 'सबका साथ, सबका विकास'।

- **जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को यह कहकर केन्द्रीय सरकार और भाजपा पर बहुत संगीन आरोप लगाया**
- **पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वो उसी तरह से इस मुल्क के संविधान और तिरंगे को बदलेंगे जिस तरह से जम्मू-कश्मीर का संविधान और झण्डा छीना था।**

'कांग्रेस ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन के लिए 5 अगस्त का दिन ही क्यों चुना'

अमित शाह ने कहा कि, कांग्रेस का यह विरोध असल में रामजन्मभूमि शिलान्यास व जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने का विरोध है

नई दिल्ली, 5 अगस्त। गृहमंत्री अमित शाह ने देशभर में कांग्रेस के प्रदर्शन का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस ने प्रदर्शन के लिए आज का ही दिन क्यों चुना?

उन्होंने कहा कि आखिर प्रदर्शन के लिए काले कपड़े क्यों पहने गए? उन्होंने कहा कि पिछले साल आज के ही दिन प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि पर मंदिर का शिलान्यास किया था।

आज के दिन तो जश्न मनाया जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए आज के दिन विरोध प्रदर्शन किया। अमित शाह ने कांग्रेस द्वारा आज के दिन काले कपड़ों में प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी तक तो रोज सामान्य कपड़ों में प्रदर्शन किया जा रहा था। आज आखिर काले कपड़ों में प्रदर्शन क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उसने राम मंदिर का विवाद नहीं सुलझाया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 500 साल पुराने इस विवाद का पटाक्षेप करते हुए आज के ही दिन अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया था।

अमित शाह ने कहा कि इतनी जगह शिकस्त खाने के बाद भी तुष्टिकरण नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि इस प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने सीक्रेट रूप से अपना तुष्टिकरण का एजेंडा आगे बढ़ाया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मैं बता देना चाहता हूं कि तुष्टिकरण की नीति न देश के लिए अच्छी न कांग्रेस के लिए अच्छी। वहीं ई.डी. की कार्रवाई पर अमित शाह ने कहा कि सभी को देश के कानून का पूरी तरह से सम्मान करना चाहिए।

- **अमित शाह ने कहा कि, इतनी जगह शिकस्त खाने के बाद भी तुष्टिकरण नहीं छोड़ रही है कांग्रेस उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि इस प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने सीक्रेट रूप से हिन्दुत्व के विरोध एवं तुष्टिकरण का अपना एजेण्डा आगे बढ़ाया है।**
- **उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उसने राम मंदिर का विवाद नहीं सुलझाया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 500 साल पुराने इस विवाद का पटाक्षेप करते हुए आज के ही दिन अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया था।**

ममता बनर्जी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनसे विचार विमर्श नहीं किया था। जहां टी.आर.एस. और जे.एम.एम. ने सोनिया और राहुल गांधी को ई.डी. द्वारा तलब किए जाने की मर्त्सना की हैं, वहीं पश्चिम बंगाल के स्वयं केन्द्रीय जांच एजेंसियों से गले तक भर जाने के बावजूद टी.एम.सी. ने ई.डी. की आलोचना से दूरी बना रखी है। यह संभव माना जा रहा है कि बनर्जी, आप नेता अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्ष के नेताओं से शनिवार को मुलाकात करेंगी, लेकिन सोनिया का राहुल गांधी के साथ उनकी कोई मीटिंग तय नहीं हैं।

क्या सुनक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंत में प्रश्न किया, ''क्या कृपया वास्तविक लिज़ खड़ी होंगी?''

इससे पहले भी जब सोमवार को उनकी प्रचार अभियान टीम ने एक नुकसानदायक बयान दिया था तब भी ट्रस को यू-टर्न लेने को बाध्य होना पड़ा था। उनकी टीम ने कहा था कि सरकार यदि निवासरत सार्वजनिक क्षेत्र के उन कर्मचारियों, जो लंदन के बाहर रहते हैं, को कम वेतन देती तो वह 8.8 बिलियिन पाउण्ड (10.75 बिलियन डॉलर) प्रति वर्ष बचा सकती है।

बर्ली ने नीतियों पर लिए गए उनके यू-टर्न्स की लिस्ट बताते हुए कहा कि ''आप उन क्षेत्रों के सरकारी कर्मचारियों का वेतन कम करना चाहती थईं और फिर आप कहती हैं कि आप ऐसा नहीं चाहती थीं।'' ट्रस ने जोर देकर कहा कि मीडिया ने इस प्रस्ताव का गलत अर्थ निकाला।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तुरंत बाद दिए गए ट्रस के बयान को भी बर्ली ने चुनौती दी। ट्रस ने कहा था कि वे ब्रिटिश लोगों के यूक्रेन के पक्ष में लड़ने की पक्ष धर हैं। लेकिन ब्रिटिश लड़ाके उसके बाद से बंदी बनाए जाते रहे हैं और उन पर भाड़े के सैनिक होने का आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा यूक्रेन के अलगाववादी क्षेत्र डोनेट्स्क उन पर मृत्युदण्ड का खतरा मंडरा रहा है। ट्रस ने जोर देकर कहा कि हमेशा से यहां ट्रैवल एडवाइस थी कि ब्रिटिश लोगों को यूक्रेन नहीं जाना चाहिए। सुनक को भी कठोर प्रश्नों का सामना करना पड़ा, जिनमें से एक सवाल डिज़ाइनर जूतों के शौक से संबंधित था।

'प्रजातंत्र अब केवल एक याद बन कर रह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि जनता के मुद्दे उठाये ही नहीं जाते।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह तानाशाही ''दो बड़े व्यवसायियों के हित में, दो व्यक्तियों द्वारा चलाई जा रही हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपील की कि हर आदमी आगे बढ़कर सरकार से सवाल करे।

गांधी ने कहा कि विपक्ष लोकतन्त्र की ताकत के आधार पर, लोकतंत्र की खातिर लड़ रहा है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''सारी संस्थाएं सरकार का पूरी तरह समर्थन एवं सहयोग'' कर रही हैं। भारत की हर संस्था आर.एस.एस. के नियन्त्रण में हैं। संख्याएं स्वतन्त्र नहीं रही हैं। हमारी लड़ाई किसी पार्टी से नहीं है। आज हम उस पूरे इन्फ्रास्ट्रक्चर से लड़ रहे हैं, जो एक पार्टी के साथ खड़ा हो गया हैं। आर्थिक व्यवस्था भाजपा आर.एस. एस. का एकाधिकार हैं, संस्थानिक रूप से उनका एकाधिकार है। यही कारण है कि विपक्ष विक्षुब्ध है लेकिन वह क्षोभ बहुत प्रभावी तरीके से बाहर नहीं आ पा रहा।''

गांधी ने कहा कि मँहगाई एक वास्तविकता है लेकिन इसे लेकर एक भिन्न सोच एवं अवधारणा पैदा की जा रही है।

गांधी ने पूछा, ''भारत में स्टार्टअप्स कहाँ हैं?''

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स अपने कार्यकारियों को निकाल रहे हैं।

गांधी ने आगे कहा, ''कोविड़ के दौरान लाखों लोग मर गये, लेकिन सरकार कह रही है कि यह असत्य है। कीमतें बढ़ रही हैं लेकिन सरकार इस बात से इनकार कर ही है। बरोजगारी बढ़ रही है लेकिन सरकार इस तथ्यों को स्वीकार नहीं करती। सारा प्रचार एवं संचार तन्त्र सरकार के हाथों में है।''

गांधी ने कहा, '' मैं जितना ज्यादा सच कहूँगा, मुझ पर उतना ही ज्यादा हमला होगा। मेरे साथ समस्या यह है कि मैं सच्ची बात कहता हूँ और डरता नहीं हूँ। मैं मूलभूत मुद्दों को उठाने का अपना काम करता रहूँगा। मैं अपने काम को जारी रखूँगा।''

गांधी ने कहा कि डर वे रहे हैं, जो धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वे जनता की ताकत से डरते हैं। वे इसलिये डर रहे हैं क्योंकि वे 24 घण्टे झूठ बोलते हैं, कोई महँगाई नही है, कोई बरोजगारी नहीं हैं, कोई चीनी हमले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि उन पर होने वाले बढ़ते जायेंगे, क्योंकि वे (राहुल) जनता के मुद्दों को उठाते हैं।

गांधी ने कहा, ''मुझे यह अच्छा लगता है जब मेरे राजनैतिक विरोधी मुझ पर हमले करते हैं तो मुझे बड़ी खुशी मिलती है क्योंकि मैं अपनी विचारधारा की ताकत को समझता हूँ, अपने युद्ध क्षेत्र की ताकत को समझता हूँ और यह समझता हूँ कि यह लड़ाई क्यों लड़ी जा रही है।''

इसी बीच, कांग्रेस के नेताओं ने महँगाई के खिलाफ प्रधानमंत्री निवास तक की अपनी पद यात्रा शुरू कर दी। इसके बाद, पार्टी सांसद राष्ट्रपति भवन तक पैदल जायेंगे।

राहुल ने कहा, ''तथ्य यह है कि भारत में लोकतन्त्र एक स्मृति मात्र बन गया है। इसके परिणाम सामने आयेंगे। जब लोग उठते हैं तो परिणाम सामने आते हैं। आप मुझसे जो सवाल पूछना चाहें, पूछिये। हर व्यक्ति को मालूम है कि (ई.डी.) की सच्चाई क्या है। मैं आर.एस.एस. से प्रश्न पूछना चाहता हूँ। अगर आप (आर.एस.एस.) मुझ पर हमला करेंगे, तो मुझे खुशी होगी क्योंकि इस तरीके से इस युद्ध क्षेत्र को और ज्यादा और बेहतर समझ सकूँगा।

उन्होंने कहा, ''वे गांधी परिवार पर हमले क्यों करते हैं?'' क्योंकि हम लोकतन्त्र और समरसता के लिये लड़ते हैं और हम सालों से लड़ते आ रहे हैं। मेरे परिवार के सदस्यों ने अपने जीवन कुर्बान कर दिये। जब भारत को हिन्दू-मुसलमान के आधार पर बाँटा जाता है तो हम आहत होते हैं। जब किसी पर, दलित होने के कारण, हमला होता है तो हम दुखी होते हैं। हम एक परिवार माम नहीं हैं, हम एक विचारधारा हैं।''

''हिटलर भी चुनाव जीता करता था। पूरा संस्थानिक ढ़ाँचा उसके साथ था। मुझे इन संस्थाओं पर अधिकार दे दीजिये तो मैं आपको दिखा दूँगा कि चुनाव कैसे जीते जाते हैं।''

इसके बाद, काले वस्त्र पहने हुये, कांग्रेस नेता महँगाई एवं बेरोजगारी के खिलाफ सड़कों पर आ गये। उनके साथ राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी भी थे। उन सबकों संसद और ए.आई.सी.सी. मुख्यालय के बाहर नाटकीय गतिरोध के बीच, पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस सांसदों, जिनमें राहुल गांधी भी शामिल थे, ने संसद-भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया तथा उसके बाद, महँगाई, अत्यावश्यक सामानों पर जी.एस.टी. बढ़ाये जाने तथा बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के एक हिस्से के रूप में, ये सब लोग पद यात्रा करते हुये राष्ट्रपति भवन की ओर बढ़ गये।

प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसद सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे तथा माँग कर रहे थे कि अत्यावश्यक वस्तुओं पर बढ़ाई गई जी.एस.टी. वापस ली जाये। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी पार्टी की महिला सांसदों के साथ अपने हाथों में बैनर लिये संसद के गेट नम्बर 1 के बाहर खड़ी हुई थी।

लेकिन इन प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने रोक दिया तथा राष्ट्रपति भवन की तरफ नहीं बढ़ने दिया। सोनिया गांधी ने पद यात्रा में भाग नहीं लिया। अन्य सांसदों को दिल्ली पुलिस ने विजय चौक पर गिरफ्तार कर लिया।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि गिरफ्तार किये गय 64 सांसदों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल, अधीर रंजन चौधरी तथा गौरव गोगाई भी शालि थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस इन लोगों को विजय चौक से पुलिस बसों में ले गई।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908